इस साल अर्थव्यवस्था के सामने होंगी यह चुनौतियां

महंगाई पर अंकुश

महंगाई का नाता केवल खाने-पीने, परिवहन और शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाओं पर ही नहीं पड़ता है। बल्कि यह आपकी बचत पर रिटर्न भी घटाती है। बजट में सरकार ने चालू वित्त वर्ष में पांच फीसदी के दायरे में रहने का अनुमान जताया है। लेकिन यह उस स्थिति के लिए जब कच्चे तेल की औसत कीमत 75 से 90 डॉलर के बीच रहती है। रुपये की विनिमय दर 75 रुपये प्रति डॉलर रहती है।

06 फीसदी के पार रही खुदरा महंगाई इस साल फरवरी में

13.11 फीसदी रही थोक महंगाई फरवरी में

11 माह से लगातार थोक महंगाई 10 फीसदी से ऊपर बनी हुई है

0.5 फीसदी तक वृद्धि अनुमान घटा चुकी हैं रेटिंग एजेंसियां इस साल का

05 से 10 करोड़ रुपये वाली कंपनियों की बिक्री में गिरावट आई

25 करोड़ रुपये से अधिक पूंजी वाली कंपनियों की बिक्री बढ़ी

भारत की आर्थिक वृद्धि दर

छोटी कंपनियों को बचाना

देश के रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी छोटी कंपनियों की है। लेकिन कोरोना संकट में उनकी बिक्री घटी है और उनकी बाजार हिस्सेदारी पर बड़ी कंपनियों ने

जीडीपी वृद्धि दर को बनाए रखना

कोरोना संकट की शुरुआत के बाद भारती आर्थिक वृद्धि दर में तेजी से उतार-चढ़ाव आया है। पिछले वित्त वर्ष में इसके 7.8 फीसदी रहने का अनुमान है। लेकिन बड़ी